

॥ श्रीरुद्रनाम त्रिशती ॥

नमो॒ हिरण्य॑बा॒हवे॒ नमः॑।
 से॒ना॒न्यै॒ नमः॑।
 दि॒शां च॒ पत॑ये॒ नमः॑।
 नमो॑ वृ॒क्षेभ्यो॒ नमः॑।
 हरि॑केशेभ्यो॒ नमः॑।
 प॒शूनां॑ पत॑ये॒ नमः॑।
 नमः॑ स॒स्मिञ्ज॑राय॒ नमः॑।
 त्विषी॑मते॒ नमः॑।
 प॒थीनां॑ पत॑ये॒ नमः॑।
 नमो॑ बभ्रु॒शाय॒ नमः॑।
 वि॒व्या॒धिने॒ नमः॑।
 अ॒न्ना॒नां पत॑ये॒ नमः॑।
 नमो॑ हरि॑केशाय॒ नमः॑।
 उ॒प॒वी॒तिने॒ नमः॑।
 पु॒ष्टा॒नां पत॑ये॒ नमः॑।
 नमो॑ भ॒वस्य॑ हे॒तु॒तै नमः॑।
 जग॑तां॒ पत॑ये॒ नमः॑।
 नमो॑ रु॒द्राय॒ नमः॑।
 आ॒त॒ता॒विने॒ नमः॑।
 क्षे॒त्रा॒णां पत॑ये॒ नमः॑।
 नमः॑ सू॒ताय॒ नमः॑।
 अ॒ह॒न्त्याय॒ नमः॑।
 वना॑नां॒ पत॑ये॒ नमः॑।
 नमो॑ रोहि॑ताय॒ नमः॑।

१०

२०

स्थ॒पत॑ये॒ नमः॑।
 वृ॒क्षा॒णां पत॑ये॒ नमः॑।
 नमो॑ म॒न्त्रिणे॒ नमः॑।
 वा॒णि॒जाय॒ नमः॑।
 क॒क्षा॒णां पत॑ये॒ नमः॑।
 नमो॑ भुव॒न्तये॒ नमः॑।
 वा॒रि॒व॒स्कृ॒ताय॒ नमः॑।
 ओष॑धीनां॒ पत॑ये॒ नमः॑।
 नम॑ उ॒च्चैर्घो॑षाय॒ नमः॑।
 आ॒क्र॒न्द॒यते॒ नमः॑।
 प॒त्ती॒नां पत॑ये॒ नमः॑।
 नमः॑ कृ॒त्स्न॒वी॒ताय॒ नमः॑।
 धाव॑ते॒ नमः॑।
 स॒त्त्व॒नां पत॑ये॒ नमः॑॥
 नमः॑ स॒ह॒मा॒नाय॒ नमः॑।
 नि॒व्या॒धिने॒ नमः॑।
 आ॒व्या॒धिनी॑नां॒ पत॑ये॒ नमः॑।
 नमः॑ ककु॒भाय॒ नमः॑।
 निष॑ङ्गिणे॒ नमः॑।
 स्ते॒ना॒नां पत॑ये॒ नमः॑।
 नमो॑ निष॑ङ्गिणे॒ नमः॑।
 इ॒षु॒धि॒मते॒ नमः॑।
 तस्क्॑राणां॒ पत॑ये॒ नमः॑।
 नमो॑ व॒श्व॒ते॒ नमः॑।

३०

४०

प॒रिव॒श्चते॑ नमः।
 स्ता॒यूनां॑ पत॒ये नमः।
 नमो॑ नि॒चेर॒वे नमः।
 प॒रिच॒राय॑ नमः।
 अ॒रण्या॑नां पत॒ये नमः।
 नमः॑ सृ॒कावि॒भ्यो नमः।
 जि॒घाँस॒द्भ्यो नमः।
 मु॒ष्णतां॑ पत॒ये नमः।
 नमो॑ऽसि॒मद्भ्यो॑ नमः।
 नक्तं॑ च॒रद्भ्यो॑ नमः।
 प्र॒कृन्त॑नां पत॒ये नमः।
 नम॑ उ॒ष्णीषि॑ने नमः।
 गि॒रिच॒राय॑ नमः।
 कु॒लुञ्च॑नां पत॒ये नमः।
 नम॑ इ॒षुम॒द्भ्यो नमः।
 ध॒न्वावि॒भ्यश्च॑ नमः।
 वो॒ नमः।
 नम॑ आ॒तन्वा॒नेभ्यो॑ नमः।
 प्र॒ति॒दधा॑नेभ्यश्च॒ नमः।
 वो॒ नमः।
 नम॑ आ॒यच्छ॑द्भ्यो नमः।
 वि॒सृज॑द्भ्यश्च॒ नमः।
 वो॒ नमः।
 नमो॑ऽस्य॑द्भ्यो नमः।
 वि॒ध्यद्भ्यश्च॑ नमः।
 वो॒ नमः।

५०

६०

७०

नम॑ आ॒सी॒नेभ्यो॑ नमः।
 श॒याने॑भ्यश्च॒ नमः।
 वो॒ नमः।
 नमः॑ स्व॒पद्भ्यो॑ नमः।
 जाग्र॑द्भ्यश्च॒ नमः।
 वो॒ नमः।
 नम॑स्ति॒ष्ठद्भ्यो॑ नमः।
 धा॒वद्भ्यश्च॑ नमः।
 वो॒ नमः।
 नमः॑ स॒भाभ्यो॑ नमः।
 स॒भाप॑तिभ्यश्च॒ नमः।
 वो॒ नमः।
 नमो॑ अ॒श्वेभ्यो॑ नमः।
 अ॒श्वप॑तिभ्यश्च॒ नमः।
 वो॒ नमः॥
 नम॑ आ॒व्याधि॑नीभ्यो नमः।
 वि॒विध्य॑न्तीभ्यश्च॒ नमः।
 वो॒ नमः।
 नम॑ उ॒गणा॒भ्यो नमः।
 तृ॒हृती॑भ्यश्च॒ नमः।
 वो॒ नमः।
 नमो॑ गृ॒त्सेभ्यो॑ नमः।
 गृ॒त्सप॑तिभ्यश्च॒ नमः।
 वो॒ नमः।
 नमो॑ ब्रा॒तैभ्यो॑ नमः।
 ब्रा॒तप॑तिभ्यश्च॒ नमः।

८०

९०

१००

वो नमः।
 नमो गुणेभ्यो नमः।
 गुणपतिभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमो विरूपेभ्यो नमः।
 विश्वरूपेभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमो महद्भ्यो नमः।
 क्षुल्लकेभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमो रथिभ्यो नमः।
 अरथेभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमो रथेभ्यो नमः।
 रथपतिभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमः सेनाभ्यो नमः।
 सेनानिभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमः क्षत्तृभ्यो नमः।
 सङ्ग्रहीतृभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमस्तक्षभ्यो नमः।
 रथकारेभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमः कुलालेभ्यो नमः।

११०

१२०

कर्मरिभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमः पुञ्जिष्टेभ्यो नमः।
 निषादेभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमः इषुकृद्भ्यो नमः।
 धन्वकृद्भ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमो मृगयुभ्यो नमः।
 श्वनिभ्यश्च नमः।
 वो नमः।
 नमः श्वभ्यो नमः।
 श्वपतिभ्यश्च नमः।
 वो नमः॥
 नमो भवाय च नमः।
 रुद्राय च नमः।
 नमः शर्वाय च नमः।
 पशुपतये च नमः।
 नमो नीलग्रीवाय च नमः।
 शितिकण्ठाय च नमः।
 नमः कपर्दिने च नमः।
 व्युप्तकेशाय च नमः।
 नमः सहस्राक्षाय च नमः।
 शतधन्वने च नमः।
 नमो गिरिशाय च नमः।
 शिपिविष्टाय च नमः।

१३०

१४०

१५०

नमो मी॒दुष्ट॑माय च॒ नमः॑।
 इ॒षु॑मते च॒ नमः॑।
 नमो॑ ह॒स्वाय॑ च॒ नमः॑।
 वा॒म॒नाय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ बृ॒हते॑ च॒ नमः॑।
 वर्षी॑यसे च॒ नमः॑।
 नमो॑ वृ॒द्धाय॑ च॒ नमः॑।
 सं॒वृ॒ध्व॑ने च॒ नमः॑। १६०
 नमो॑ अ॒ग्नि॒याय॑ च॒ नमः॑।
 प्र॒थ॒माय॑ च॒ नमः॑।
 नम॑ आ॒शवे॑ च॒ नमः॑।
 अ॒जि॒राय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ शी॒घ्रि॒याय॑ च॒ नमः॑।
 शी॒भ्या॑य च॒ नमः॑।
 नम॑ ऊ॒र्म्या॑य च॒ नमः॑।
 अ॒व॒स्व॒न्या॑य च॒ नमः॑।
 नमः॑ स्त्रो॒त॒स्या॑य च॒ नमः॑।
 द्वी॒प्या॑य च॒ नमः॑॥ १७०
 नमो॑ ज्ये॒ष्ठाय॑ च॒ नमः॑।
 क॒नि॒ष्ठाय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ पू॒र्व॒जाय॑ च॒ नमः॑।
 अ॒प॒र॒जाय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ म॒ध्य॒माय॑ च॒ नमः॑।
 अ॒प॒ग॒ल्भा॑य च॒ नमः॑।
 नमो॑ जघ॒न्या॑य च॒ नमः॑।
 बु॒ध्नि॒याय॑ च॒ नमः॑।

नमः॑ सो॒भ्या॑य च॒ नमः॑।
 प्र॒ति॒स॒र्या॑य च॒ नमः॑। १८०
 नमो॑ या॒म्या॑य च॒ नमः॑।
 क्षे॒म्या॑य च॒ नमः॑।
 नम॑ उ॒र्व॒या॑य च॒ नमः॑।
 ख॒ल्या॑य च॒ नमः॑।
 नमः॑ श्लो॒क्या॑य च॒ नमः॑।
 अ॒व॒सा॒न्या॑य च॒ नमः॑।
 नमो॑ व॒न्या॑य च॒ नमः॑।
 क॒क्ष्या॑य च॒ नमः॑।
 नमः॑ श्र॒वाय॑ च॒ नमः॑।
 प्र॒ति॒श्र॒वाय॑ च॒ नमः॑। १९०
 नम॑ आ॒शु॒षे॒णाय॑ च॒ नमः॑।
 आ॒शु॒र॒था॑य च॒ नमः॑।
 नमः॑ शू॒राय॑ च॒ नमः॑।
 अ॒व॒भि॒न्द॑ते च॒ नमः॑।
 नमो॑ वर्मि॒णे॑ च॒ नमः॑।
 व॒रू॒थि॒ने॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ बि॒ल्मि॒ने॑ च॒ नमः॑।
 क॒व॒चि॒ने॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ श्रु॒ताय॑ च॒ नमः॑।
 श्रु॒त॒से॒नाय॑ च॒ नमः॑॥ २००
 नमो॑ दु॒न्दु॒भ्या॑य च॒ नमः॑।
 आ॒ह॒न॒न्या॑य च॒ नमः॑।
 नमो॑ धृ॒ष्णवे॑ च॒ नमः॑।

प्र॒मृ॒शाय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ दू॒ताय॑ च॒ नमः॑।
 प्रहि॑ताय च॒ नमः॑।
 नमो॑ निष॒ङ्गिणे॑ च॒ नमः॑।
 इ॒षु॒धि॒मर्ते॑ च॒ नमः॑।
 नम॑स्ती॒क्ष्णेष॑वे च॒ नमः॑।
 आ॒यु॒धि॒ने॑ च॒ नमः॑। २१०
 नमः॑ स्वा॒यु॒धाय॑ च॒ नमः॑।
 सु॒ध॒न्व॒ने॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ सु॒त्याय॑ च॒ नमः॑।
 प॒थ्याय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ का॒ट्याय॑ च॒ नमः॑।
 नी॒प्याय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ सू॒द्याय॑ च॒ नमः॑।
 स॒र॒स्याय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ ना॒द्याय॑ च॒ नमः॑।
 वै॒श॒न्ताय॑ च॒ नमः॑। २२०
 नमः॑ कू॒प्याय॑ च॒ नमः॑।
 अ॒व॒ट्याय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ वर्ष्याय॑ च॒ नमः॑।
 अ॒व॒र्ष्याय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ मे॒घ्याय॑ च॒ नमः॑।
 वि॒द्यु॒त्याय॑ च॒ नमः॑।
 नम॑ ई॒ध्रियाय॑ च॒ नमः॑।
 आ॒त॒प्याय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ वा॒त्याय॑ च॒ नमः॑।

रे॒ष्मि॒न्याय॑ च॒ नमः॑। २३०
 नमो॑ वा॒स्त॒व्याय॑ च॒ नमः॑।
 वा॒स्तु॒पाय॑ च॒ नमः॑॥
 नमः॑ सो॒माय॑ च॒ नमः॑।
 रु॒द्राय॑ च॒ नमः॑।
 नम॑स्ता॒म्राय॑ च॒ नमः॑।
 अ॒रु॒णाय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ श॒ङ्गाय॑ च॒ नमः॑।
 प॒शु॒प॒तये॑ च॒ नमः॑।
 नम॑ उ॒ग्राय॑ च॒ नमः॑।
 भी॒माय॑ च॒ नमः॑। २४०
 नमो॑ अ॒ग्रे॒व॒धाय॑ च॒ नमः॑।
 दू॒रे॒व॒धाय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ ह॒न्त्रे॑ च॒ नमः॑।
 ह॒नी॒य॒से॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ वृ॒क्षे॒भ्यो॑ नमः॑।
 ह॒रि॒केशे॒भ्यो॑ नमः॑।
 नम॑स्ता॒राय॑ नमः॑।
 नमः॑ श॒म्भ॒वे॑ च॒ नमः॑।
 म॒यो॒भ॒वे॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ श॒ङ्क॒राय॑ च॒ नमः॑। २५०
 म॒य॒स्क॒राय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ शि॒वाय॑ च॒ नमः॑।
 शि॒व॒त॒राय॑ च॒ नमः॑।
 नम॑स्ती॒र्थ्याय॑ च॒ नमः॑।
 कू॒ल्याय॑ च॒ नमः॑।

नमः॑ पा॒र्या॒य च॒ नमः॑।
 अ॒वा॒र्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ प्र॒त॒र॒णाय॑ च॒ नमः॑।
 उ॒त्त॒र॒णाय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ आ॒ता॒र्या॒य च॒ नमः॑। २६०
 आ॒ला॒द्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ श॒ष्प्या॒य च॒ नमः॑।
 फे॒न्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ सि॒क॒त्या॒य च॒ नमः॑।
 प्र॒वा॒ह्या॒य च॒ नमः॑॥
 नमः॑ इ॒रि॒ण्या॒य च॒ नमः॑।
 प्र॒प॒थ्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ कि॒॒शिला॑य च॒ नमः॑।
 क्ष॒य॒णाय॑ च॒ नमः॑।
 नमः॑ क॒प॒र्दि॒नै च॒ नमः॑। २७०
 पु॒ल॒स्त॒र्ये च॒ नमः॑।
 नमो॑ गो॒ष्ठ्या॒य च॒ नमः॑।
 गृ॒ह्या॒य च॒ नमः॑।
 नम॑स्त॒त्प्या॒य च॒ नमः॑।
 गे॒ह्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ का॒ट्या॒य च॒ नमः॑।
 गृ॒ह्मे॒ष्टाय॑ च॒ नमः॑।
 नमो॑ हृ॒द॒य्या॒य च॒ नमः॑।

नि॒वे॒ष्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ पा॒॒स॒व्या॒य च॒ नमः॑। २८०
 र॒ज॒स्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ शु॒ष्क्या॒य च॒ नमः॑।
 ह॒रि॒त्या॒य च॒ नमः॑।
 नमो॑ लो॒प्या॒य च॒ नमः॑।
 उ॒ल॒प्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ ऊ॒र्व्या॒य च॒ नमः॑।
 सृ॒म्या॒य च॒ नमः॑।
 नमः॑ प॒र्ण्या॒य च॒ नमः॑।
 प॒र्ण॒श॒द्या॒य च॒ नमः॑।
 नमो॑ऽप॒गु॒र॒मा॒णाय॑ च॒ नमः॑। २९०
 अ॒भि॒घ्न॒ते च॒ नमः॑।
 नमः॑ आ॒खि॒व॒द॒ते च॒ नमः॑।
 प्र॒खि॒व॒द॒ते च॒ नमः॑।
 नमो॑ वो॒ नमः॑।
 कि॒रि॒के॒भ्यो नमः॑।
 दे॒वा॒ना॒॒ हृ॒द॒ये॒भ्यो नमः॑।
 नमो॑ वि॒क्षी॒ण॒के॒भ्यो नमः॑।
 नमो॑ वि॒चि॒न्व॒त्के॒भ्यो नमः॑।
 नमः॑ आ॒नि॒र्ह॒ते॒भ्यो नमः॑।
 नमः॑ आ॒मी॒व॒त्के॒भ्यो नमः॑। ३००

॥ इति श्री श्रीरुद्रनाम त्रिशती सम्पूर्णा ॥

